बन जाऊं मैं तो मोर | By Muskan Shrivastava

बन जाऊं मैं तो मोर जाऊं गोगाजी के धाम
गुण गाऊं रे .....

सुन ले री संदेसा मेरा मैया बाछल रानी
गोगा को सुनाना मेरी करुण कहानी
श्री गोगाजी से कहना तू बना दे मेरे काम रे
बन जाऊं मैं तो मोर जाऊं गोगाजी के धाम
गुण गाऊं रे .....

सुनले व्यथा मेरी ओ गोगा रणधारी
ओ गोगा महाराज दुखी प्रजा है तुम्हारी
हम तो हाथ उठा के तुमसे मांगे वरदान रे
बन जाऊं मैं तो मोर जाऊं गोगाजी के धाम
गुण गाऊं रे .....

भादो की नौमी में लगे मेला तेरा भारी
गोगा तेरे दर्शन करने आवे दुनिया सारी
मैंने तेरा नाम सुना बाबा करो कल्याण रे
बन जाऊं मैं तो मोर जाऊं गोगाजी के धाम
गुण गाऊं रे .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ac%e0%a4%a8-%e0%a4%9c%e0%a4%be%e0%a4%8a%e0%a4%82-%e0%a4%ae%e0%a5%88%e0%a4%82-%e0%a4%a4%e0%a5%8b-%e0%a4%ae%e0%a5%8b%e0%a4%b0-by-muskan-shrivastava/